Farewell Speech by C. P. Kumar – 30.9.2020

आदरणीय निदेशक महोदय, डॉ मनोहर अरोड़ा, श्री मुकेश शर्मा, मोहम्मद फुरकान उल्लाह, इफ़्तेख़ार जी और मेरे साथियों,

सबसे पहले, मैं इस कार्यक्रम को आयोजित करने और मुझे अपने विचार प्रस्तुत करने का अवसर देने देने के लिए NIH मनोरंजन क्लब को धन्यवाद देता हूँ।

मैंने 35 साल पहले NIH में join किया था। इतना लम्बा वक़्त कैसे गुज़र गया कि पता ही नहीं चला। शायद ये इस बात का प्रतीक है कि मेरा NIH का कार्यकाल काफ़ी अच्छा व्यतीत हुआ है।

मैंने जब 1985 में NIH join किया था उस वक़्त NIH का कोई Regional Centre नहीं था, Laboratory Block, Guest house, Auditorium कुछ भी नहीं था। NIH की colony भी नहीं बनी थी। उस वक़्त NIH का कुल स्टाफ सिर्फ 80 के लगभग था। हमारे पास उस वक़्त कोई PC कंप्यूटर नहीं था। हम लोग अपनी programming VAX-11 system पर एक घंटे के slot पर किया करते थे। मुझे NIH join करने के लगभग 8 साल के बाद 1993 में पहला 286 PC मिला था। उस वक़्त NIH में कोई कैंटीन भी नहीं थी। हम कभी-कभी चाय पीने के लिए बाहर जाया करते थे।

मैंने डॉ सतीश चंद्रा, Director के समय काल से अब तक के 35 वर्षों में NIH का सारा development होते हुए देखा है। कुछ setbacks को छोड़कर, NIH में मेरा अधिकतर समय बहुत अच्छा बीता है। मैं उन सभी को धन्यवाद देना चाहता हूं जिन्होंने NIH में मेरे कार्यों में direct या indirect रूप से मुझे support किया। मैं 1989 से Teacher Hostel में ही रह रहा हूँ। मैं उन सभी का भी बहुत आभारी हूं, जो NIH और टीचर हॉस्टल के बीच मुझे अपने स्कूटर या गाड़ी में लिफ्ट प्रदान किया करते थे।

हालाँकि official dealings में कुछ arguments और frictions होना स्वाभाविक है लेकिन मुझे लगता है कि NIH के अधिकतर Scientists और staff members as a human being अच्छे ही नहीं बल्कि वास्तव में बहुत अच्छे हैं।

मैं यहाँ कुछ issues के बारे में बोलना चाहूँगा जहाँ और improvement किया जा सकता है। हमारे कई स्टाफ members को पिछले कई वर्षों से कोई promotion नहीं मिला है। हमें स्टाफ के लिए एक अच्छी promotion policy को लाने की आवश्यकता है। वैज्ञानिकों के लिए एक अच्छी promotion policy पहले से ही लागू है लेकिन मुझे लगता है कि हमें मार्किंग स्कीम में कुछ बदलाव करने की जरूरत है। वर्तमान में, वैज्ञानिकों की सभी श्रेणियों के लिए marks का एक ही मापदंड है। मेरी राय में, मार्किंग स्कीम के दो अलग सेट होने चाहिए - एक वैज्ञानिक B/C/D के लिए और दूसरा E/F/G के लिए, क्योंकि junior और senior levels पर nature of work थोडा अलग हो जाता है।

आज internet का ज़माना है। किसी भी organization की website ही उसकी activities को जानने का पहला जरिया है। NIH ने अब तक कई बहुत अच्छे international projects किये हैं। लेकिन हमारी website में उनका proper representation नहीं है। मेरी राय में NIH वेबसाइट को complete overhaul करने की आवश्यकता है जिससे कि NIH की activities की wide publicity की जा सके।

मैंने कई बार यह भी देखा है कि हम अपने कार्यों का proper follow-up नहीं करते हैं। हम वो काम तो तुरंत करने की कोशिश करते हैं जो कि हमारे incharge, head या director हमसे करने के लिए कहते हैं या हमें remind कराते हैं। लेकिन कई बार हम वो काम करना भूल जाते हैं या उसको low priority पर रखते हैं जिसके लिए हमसे कहा या remind नहीं कराया जाता। मेरी राय में सच्ची sincerity वही है जब हम अपने सभी कार्य बिना किसी के remind कराये अपने आप ही समय पर पूरा कर दें।

इसका दूसरा पहलू ये है कि कई बार हम लोगों का time management ठीक नहीं होता है। हम में से अधिकतर लोग कई तरह की technical, administrative और miscellaneous activities के कारण overloaded हैं। हमारे poor time management के कारण कई बार priority वाले काम तो समय पर हो जाते हैं लेकिन बाकी काम या तो delay हो जाते हैं या हमारे mind से निकल जाते हैं। Of course, ये multi-tasking का जमाना है लेकिन हमें proper time management के द्वारा अपने सभी कार्य समय पर करने की कोशिश करनी चाहिए। मेरी सुझाव है कि additional charges का equitable distribution किया जाये जिससे कि सभी वैज्ञानिक और staff members लगभग समान रूप से contribute कर सकें।

हर व्यक्ति में कुछ न कुछ qualities अवश्य होती हैं। हम सब एक दूसरे की qualities से बहुत कुछ सीख सकते हैं। एक अच्छा administrative वो होता है जो हर employee की qualities को पहचान कर उसके अनुरूप संस्थान के कार्य ले सके।

Official रूप से तो आप सभी मुझे जानते ही हैं। अब कुछ ऐसी बाते जो कि शायद आपमे से कई साथी नहीं जानते होंगे। एक तो यह कि मैं movies बहुत देखता हूँ। हर weekend या holiday पर मैं दिन में एक movie अवश्य देखता हूं - ज्यादातर हिंदी लेकिन कभी-कभी English या पंजाबी movies भी देख लेता हूँ। मेरी choice mainly comedy या suspense वाली movies होती हैं।

मेरा spirituality में भी काफी interest रहा है। पिछले कई वर्षों के दौरान, मैंने बहुत सी spiritual books और magazines पढ़ी है। मेरी favorite books में से एक है - "The Power of Now". इसके author का नाम है Eckhart Tolle. इस book का main concept है कि हमें present moment में जीना चाहिए - ना तो past का दुःख और ना ही future की चिन्ता करने की आवश्यकता है।

इसके अलावा, मेरा healing techniques में भी interest रहा है। मैं पिछले 5 वर्षों से Reiki practice कर रहा हूं। मैंने Emotional Freedom Technical (EFT) का भी एक कोर्स किया है। इसके अतिरिक्त, मैं Pendulum Dowsing भी करता हूं। हमारी body में 7 energy centres होते हैं जिन्हें

हम chakra कहते हैं। Pendulum के द्वारा हम इन chakras को balance कर सकते हैं जिसका हमारी health पर positive effect होता हैं।

बस मैं यही पर अपनी बात समाप्त करता हूँ। मैं फिलहाल रुड़की में ही रहूँगा। अगर मेरी किसी प्रकार से ज़रुरत हो तो आप मुझे कभी भी contact कर सकते हैं। अंत में मैं उन सबसे क्षमा चाहूँगा जिनको मेरे शब्दों या मेरे कार्यों से कभी कोई असुविधा पहुंची हो।

धन्यवाद।